FIRST AID – ELECTRIC SHOCK / INJURIES

- A person getting electric shock needs to be disconnected from the source of power immediately. The disconnecting switch/breaker should be identified and turned off.
- Unfortunately, if the connected device cannot be located, the victim can be pried or pulled from the circuit by an insulated object such as dry wood board, piece of non-metallic conduit or rubber electrical cord, etc.
- Do not attempt first aid until electric contact has been broken.

- Immediate medical response should be provided to victims i.e. check for breathing and pulse, then apply Cardio-pulmonary Resuscitation (CPR) as necessary to maintain oxygenation.
- If a victim is still conscious, he needs to be closely monitored and cared-for until trained emergency response personnel arrive.
- The victim should be kept warm and comfortable to avoid danger of physiological shock.

प्राथमिक उपचार - बिजली का झटका / चोटें

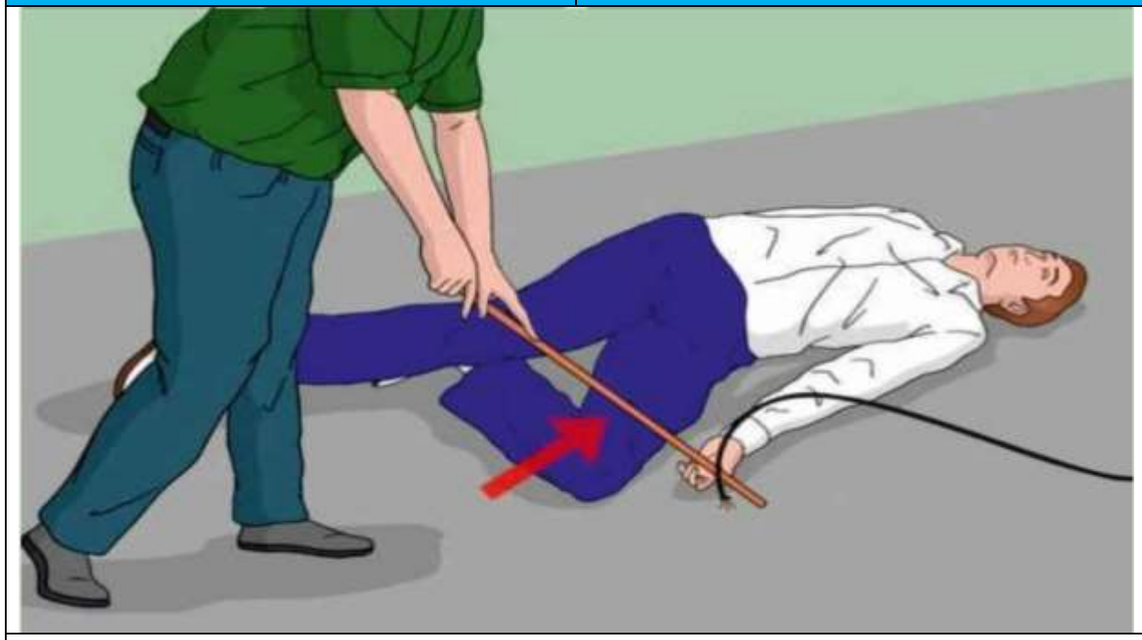

- बिजली का झटका लगने वाले व्यक्ति को बिजली के स्रोत से डिस्कनेक्ट करने की आवश्यकता होती है। डिस्कनेक्ट करने वाले स्विच/ब्रेकर की पहचान की जानी चाहिए और उसे बंद कर दिया जाना चाहिए।
- दुर्भाग्य से, यदि कनेक्टेड डिवाइस का पता नहीं लगाया जा सकता है, तो पीड़ित को सूखी लकड़ी के बोर्ड, गैर-धातु नाली के टुकड़े या रबर विद्युत कॉर्ड जैसी एक अछूता वस्तु द्वारा सर्किट से खींचा जा सकता है।
- बिजली का संपर्क टूटने तक प्राथमिक उपचार का प्रयास न करें।

- पीड़ितों को तत्काल चिकित्सा प्रतिक्रिया प्रदान की जानी चाहिए अर्थात श्वास और नाड़ी की जांच करें, फिर ऑक्सीजन बनाए रखने के लिए कार्डियो-पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) लागू करें।
- यदि कोई पीड़ित अभी भी होश में है, तो प्रशिक्षित आपातकालीन प्रतिक्रिया कर्मियों के आने तक उसकी कड़ी निगरानी और देखभाल की जानी चाहिए।
- शारीरिक आघात के खतरे से बचने के लिए पीड़ित को गर्म और आरामदायक रखा जाना चाहिए।